Mrk

Chapter 10

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	Καὶ	ἐκεῖθεν	ἀναστὰς,	ἔρχεται	εἰς	τὰ	ὅρια	τῆς	Ἰουδαίας,	καὶ	πέραν
	और	वहां–से	उठकर	आता–है	–में	–उन	सीमाओं	–के	यहूदिया	और	पार
	G2532	G1564	G0450	G2064	G1519	G3588	G3725	G3588	G2449	G2532	G4008

τοῦ	Ἰορδάνου.	καὶ	συμπορεύονται	πάλιν	ὄχλοι	πρὸς	αὐτόν,	καὶ	ὡς	εἰώθει
–के	यर्दन	और	इकट्ठे–आते–हैं	फिर	भीड़ें	–के–पास	उस	और	जैसे	आदी–था
G3588	G2446	G2532	G4848	G3825	G3793	G4314	G0846	G2532	G5613	G1486

πάλιν	ἐδίδασκεν	αὐτούς.
फिर	सिखाता–था	उन–को
G3825	G1321	G0846

> फिर यीशु ने वह स्थान छोड़ दिया और यहूदिया के क्षेत्र में यर्दन नदी के पार आ गया। भीड़ की भीड़ फिर उसके पास आने लगी। और अपनी रीति के अनुसार वह उपदेश देने लगा।

2	Καὶ	προσελθόντες,	Φαρισαῖοι	ἐπηρώτων	αὐτὸν,	εἰ	ἔξεστιν	ἀνδρὶ	γυναῖκα
	और	आकर	फरीसियों–ने	पूछते–थे	उस–से	क्या	उचित–है	पुरुष–को	पत्नी–को
	G2532	G4334	G5330	G1905	G0846	G1487	G1832	G0435	G1135

ἀπολῦσαι,	πειράζοντες	αὐτόν.
छोड़ना	परखते–हुए	उस–को
G0630	G3985	G0846

> फिर कुछ फ़रीसी उसके पास आये और उससे पूछा, “क्या किसी पुरुष के लिये उचित है कि वह अपनी पत्नी को तलाक दे?” उन्होंने उसकी परीक्षा लेने के लिये उससे यह पूछा था।

3	ὁ	δὲ	ἀποκριθεὶς,	εἶπεν	αὐτοῖς,	Τί	ὑμῖν	ἐνετείλατο	Μωϋσῆς?
	–वह	–और	उत्तर–देकर	कहा	उन–से	क्या	तुम–को	आज्ञा–दी	मूसा–ने
	G3588	G1161	G0611	G3004	G0846	G5101	G4771	G1781	G3475

> उसने उन्हें उत्तर दिया, “मूसा ने तुम्हें क्या नियम दिया है?”

4	οἱ	δὲ	εἶπαν,	Ἐπέτρεψεν	Μωϋσῆς	βιβλίον	ἀποστασίου	γράψαι,	καὶ
	–उन्होंने	–और	कहा	अनुमति–दी	मूसा–ने	पत्र	त्याग–का	लिखना	और
	G3588	G1161	G3004	G2010	G3475	G0975	G0647	G1125	G2532

ἀπολῦσαι.
छोड़ना
G0630

> उन्होंने कहा, “मूसा ने किसी पुरुष को त्यागपत्र लिखकर पत्नी को त्यागने की अनुमति दी थी।”

5	ὁ	δὲ	Ἰησοῦς	εἶπεν	αὐτοῖς,	Πρὸς	τὴν	σκληροκαρδίαν	ὑμῶν,	ἔγραψεν
	–वह	–और	यीशु	कहा	उन–से	–के–कारण	–उस	कठोर–हृदयता	तुम्हारी	लिखा
	G3588	G1161	G2424	G3004	G0846	G4314	G3588	G4641	G4771	G1125

ὑμῖν	τὴν	ἐντολὴν	ταύτην;
तुम–के–लिए	–यह	आज्ञा	यह
G4771	G3588	G1785	G3778

> यीशु ने उनसे कहा, “मूसा ने तुम्हारे लिए यह आज्ञा इसलिए लिखी थी कि तुम्हें कुछ भी समझ में नहीं आ सकता।

6 ἀπὸ δὲ ἀρχῆς κτίσεως, ἄρσεν καὶ θῆλυ ἐποίησεν αὐτούς.
-से -परन्तु आरंभ सृष्टि-के नर और नारी बनाया उन-को
G0575 G1161 G0746 G2937 G0730 G2532 G2338 G4160 G0846

> सृष्टि के प्रारम्भ से ही, 'परमेश्वर ने उन्हें पुरुष और स्त्री के रूप में रचा है।'

7 ἕνεκεν τούτου, καταλείψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μητέρα,
-के-कारण इस छोड़ेगा मनुष्य -अपने पिता-को अपने और -अपनी माता-को
G1752 G3778 G2641 G0444 G3588 G3962 G0846 G2532 G3588 G3384

‹καὶ προσκολληθήσεται πρὸς τὴν γυναῖκα αὐτοῦ›,
और जुड़ा-रहेगा -के-पास -अपनी पत्नी अपनी
G2532 G4347 G4314 G3588 G1135 G0846

> 'इसीलिये एक पुरुष अपने माता-पिता को छोड़ कर अपनी पत्नी के साथ रहेगा।

8 καὶ ἔσονται οἱ δύο εἰς σάρκα μίαν; ὥστε οὐκέτι εἰσὶν δύο, ἀλλὰ
और होंगे -वे दो -में शरीर एक ऐसा-कि अब-नहीं हैं दो परन्तु
G2532 G1510 G3588 G1417 G1519 G4561 G1520 G5620 G3765 G1510 G1417 G0235

μία σάρξ.
एक शरीर
G1520 G4561

> और वे दोनों एक तन हो जायेंगे।' इसलिए वे दो नहीं रहते बल्कि एक तन हो जाते हैं।

9 ὃ οὖν ὁ Θεὸς συνέζευξεν, ἄνθρωπος μὴ χωριζέτω.
जो इसलिए -वह परमेश्वर-ने जोड़ा-है मनुष्य न अलग-करे
G3739 G3767 G3588 G2316 G4801 G0444 G3361 G5563

> इसलिये जिसे परमेश्वर ने मिला दिया है, उसे मनुष्य को अलग नहीं करना चाहिए।"

10 καὶ εἰς τὴν οἰκίαν πάλιν, οἱ μαθηταὶ περὶ τούτου ἐπηρώτων αὐτόν.
और -में -उस घर फिर -वे चेलों-ने -के-विषय-में इस पूछते-थे उस-से
G2532 G1519 G3588 G3614 G3825 G3588 G3101 G4012 G3778 G1905 G0846

> फिर वे जब घर लौटे तो शिष्यों ने यीशु से इस विषय में पूछा।

11 καὶ λέγει αὐτοῖς, Ὃς ἂν ἀπολύσῃ τὴν γυναῖκα αὐτοῦ, καὶ γαμήσῃ
और कहता-है उन-से जो कभी छोड़े -अपनी पत्नी-को अपनी और विवाह-करे
G2532 G3004 G0846 G3739 G0302 G0630 G3588 G1135 G0846 G2532 G1060

ἄλλην, μοιχᾶται ἐπ' αὐτήν.
दूसरी-से व्यभिचार-करता-है -के-विरुद्ध उस
G0243 G3429 G1909 G0846

> उसने उनसे कहा, "जो कोई अपनी पत्नी को तलाक दे कर दूसरी स्त्री से ब्याह रचाता है, वह उस पत्नी के प्रति व्यभिचार करता है।

12 καὶ ἐὰν αὐτὴ ἀπολύσασα τὸν ἄνδρα αὐτῆς, γαμήσῃ ἄλλον, μοιχᾶται.
और यदि वह छोड़कर -अपने पति-को अपने विवाह-करे दूसरे-से व्यभिचार-करती-है
G2532 G1437 G0846 G0630 G3588 G0435 G0846 G1060 G0243 G3429

> और यदि वह स्त्री अपने पति का त्याग करके दूसरे पुरुष से ब्याह करती है तो वह व्यभिचार करती है।"

13 Καὶ προσέφερον αὐτῷ παιδία, ἵνα αὐτῶν ἅψηται. οἱ δὲ μαθηταὶ
और लाते-थे उस-के-पास बच्चों-को कि उन-को छुए -वे -परन्तु चेलों-ने
G2532 G4374 G0846 G3813 G2443 G0846 G0680 G3588 G1161 G3101

ἐπετίμησαν αὐτοῖς.
डांटा उन-को
G2008 G0846

> फिर लोग यीशु के पास नन्हें-मुन्ने बच्चों को लाने लगे ताकि वह उन्हें छू कर आशीष दे। किन्तु उसके शिष्यों ने उन्हें झिड़क दिया।

14

ἰδὼν	δὲ,	ὁ	Ἰησοῦς	ἠγανάκτησεν,	καὶ	εἶπεν	αὐτοῖς,	Ἄφετε	τὰ	παιδία
देखकर	-परन्तु	-वह	यीशु	रोष-हुआ	और	कहा	उन-से	छोड़ो	-उन	बच्चों-को
G3708	G1161	G3588	G2424	G0023	G2532	G3004	G0846	G0863	G3588	G3813

ἔρχεσθαι	πρός	με;	μὴ	κωλύετε	αὐτά;	τῶν	γὰρ	τοιούτων,	ἐστὶν	ἡ
आने	-के-पास	मेरे	न	रोको	उन-को	-उन	क्योंकि	ऐसों-की	है	-वह
G2064	G4314	G1473	G3361	G2967	G0846	G3588	G1063	G5108	G1510	G3588

βασιλεία	τοῦ	Θεοῦ.
राज्य	-के	परमेश्वर
G0932	G3588	G2316

> जब यीशु ने यह देखा तो उसे बहुत क्रोध आया। फिर उसने उनसे कहा, “नन्हे-मुन्ने बच्चों को मेरे पास आने दो। उन्हें रोको मत क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसों का ही है।

15

ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	ὃς	ἂν	μὴ	δέξηται	τὴν	βασιλείαν	τοῦ	Θεοῦ	ὡς
सच-सच	कहता-हूं	तुम-से	जो	कभी	न	ग्रहण-करे	-उस	राज्य-को	-के	परमेश्वर	जैसे
G0281	G3004	G4771	G3739	G0302	G3361	G1209	G3588	G0932	G3588	G2316	G5613

παιδίον,	οὐ	μὴ	εἰσέλθῃ	εἰς	αὐτήν.
बच्चा	नहीं	न	प्रवेश-करेगा	-में	उस
G3813	G3756	G3361	G1525	G1519	G0846

> मैं तुमसे सत्य कहता हूँ जो कोई परमेश्वर के राज्य को एक छोटे बच्चे की तरह नहीं अपनायेगा, उसमें कभी प्रवेश नहीं करेगा।”

16

καὶ	ἐναγκαλισάμενος	αὐτὰ,	κατευλόγει,	τιθεὶς	τὰς	χεῖρας	ἐπ’	αὐτά.
और	गले-लगाकर	उन-को	आशीष-देता-था	रखकर	-वे	हाथ	-पर	उन
G2532	G1723	G0846	G2127	G5087	G3588	G5495	G1909	G0846

> फिर उन बच्चों को यीशु ने गोद में उठा लिया और उनके सिर पर हाथ रख कर उन्हें आशीष दी।

17

Καὶ	ἐκπορευομένου	αὐτοῦ	εἰς	ὁδὸν,	προσδραμὼν	εἷς	καὶ	γονυπετήσας
और	निकलते-हुए	उस-के	-पर	मार्ग	दौड़कर	एक-ने	और	घुटने-टेककर
G2532	G1607	G0846	G1519	G3598	G4370	G1520	G2532	G1120

αὐτὸν,	ἐπηρώτα	αὐτόν,	Διδάσκαλε	ἀγαθέ,	τί	ποιήσω,	ἵνα	ζωὴν	αἰώνιον
उस-को	पूछता-था	उस-से	गुरु	उत्तम	क्या	करूं	कि	जीवन	अनंत
G0846	G1905	G0846	G1320	G0018	G5101	G4160	G2443	G2222	G0166

κληρονομήσω?
उत्तराधिकार-में-पाऊं
G2816

> यीशु जैसे ही अपनी यात्रा पर निकला, एक व्यक्ति उसकी ओर दौड़ा और उसके सामने झुक कर उसने पूछा, “उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का अधिकार पाने के लिये मुझे क्या करना चाहिये?”

18

ὁ	δὲ	Ἰησοῦς	εἶπεν	αὐτῷ,	Τί	με	λέγεις	ἀγαθόν?	οὐδεὶς	ἀγαθὸς,	εἰ
-वह	-और	यीशु	कहा	उस-से	क्यों	मुझे	कहता-है	उत्तम	कोई-नहीं	उत्तम	सिवाय
G3588	G1161	G2424	G3004	G0846	G5101	G1473	G3004	G0018	G3762	G0018	G1487

μὴ	εἷς,	ὁ	Θεός.
न	एक	-वह	परमेश्वर
G3361	G1520	G3588	G2316

> यीशु ने उसे उत्तर दिया, “तू मुझे उत्तम क्यों कहता है? केवल परमेश्वर के सिवा और कोई उत्तम नहीं है।

19 τὰς ἐντολὰς οἶδας: Μὴ φονεύσῃς; Μὴ μοιχεύσῃς; Μὴ κλέψῃς; Μὴ
-वे आज्ञाएं जानता-है न हत्या-कर न व्यभिचार-कर न चोरी-कर न
G3588 G1785 G1492 G3361 G5407 G3361 G3431 G3361 G2813 G3361

ψευδομαρτυρήσῃς; Μὴ ἀποστερήσῃς; Τίμα τὸν πατέρα σου, καὶ τὴν
झूठी-गवाही-दे न वंचित-कर सम्मान-कर -अपने पिता-का तेरे और -अपनी
G5576 G3361 G0650 G5091 G3588 G3962 G4771 G2532 G3588

μητέρα.
माता-का
G3384

> तू व्यवस्था की आज्ञाओं को जानता है: 'हत्या मत कर, व्यभिचार मत कर, चोरी मत कर, झूठी गवाही मत दे, छल मत कर, अपने माता-पिता का आदर कर …'"

20 ὁ δὲ ἔφη αὐτῷ, Διδάσκαλε, ταῦτα πάντα ἐφυλαξάμην, ἐκ νεότητός
-वह -और कहा उस-से गुरु ये सब पालन-किया -से जवानी
G3588 G1161 G5346 G0846 G1320 G3778 G3956 G5442 G1537 G3503

μου.
मेरी
G1473

> उस व्यक्ति ने यीशु से कहा, "गुरु, मैं अपने लड़कपन से ही इन सब बातों पर चलता रहा हुँ।"

21 ὁ δὲ Ἰησοῦς, ἐμβλέψας αὐτῷ, ἠγάπησεν αὐτὸν, καὶ εἶπεν αὐτῷ, Ἕν
-वह -और यीशु देखकर उस-पर प्रेम-किया उस-से और कहा उस-से एक
G3588 G1161 G2424 G1689 G0846 G0025 G0846 G2532 G3004 G0846 G1520

σε ὑστερεῖ: ὕπαγε, ὅσα ἔχεις πώλησον, καὶ δὸς τοῖς πτωχοῖς, καὶ
तुझ-में कमी-है जा जो-कुछ रखता-है बेच और दे -उन गरीबों-को और
G4771 G5302 G5217 G3745 G2192 G4453 G2532 G1325 G3588 G4434 G2532

ἕξεις θησαυρὸν ἐν οὐρανῷ; καὶ δεῦρο, ἀκολούθει μοι,
रखेगा खजाना -में स्वर्ग और आ पीछे-आ मेरे
G2192 G2344 G1722 G3772 G2532 G1204 G0190 G1473

> यीशु ने उस पर दृष्टि डाली और उसके प्रति प्रेम का अनुभव किया। फिर उससे कहा, "तुझमें एक कमी है। जा, जो कुछ तेरे पास है, उसे बेच कर गरीबों में बाँट दे। स्वर्ग में तुझे धन का भंडार मिलेगा। फिर आ, और मेरे पीछे हो ले।"

22 ὁ δέ, στυγνάσας ἐπὶ τῷ λόγῳ, ἀπῆλθεν λυπούμενος; ἦν γὰρ ἔχων
-वह -परन्तु उदास-होकर -पर -उस वचन चला-गया दुखी-होकर था क्योंकि रखता-था
G3588 G1161 G4768 G1909 G3588 G3056 G0565 G3076 G1510 G1063 G2192

κτήματα πολλά.
संपत्ति बहुत
G2933 G4183

> यीशु के ऐसा कहने पर वह व्यक्ति बहुत निराश हुआ और दुखी होकर चला गया क्योंकि वह बहुत धनवान था।

23 Καὶ περιβλεψάμενος, ὁ Ἰησοῦς λέγει τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ, Πῶς δυσκόλως
और चारों-ओर-देखकर -वह यीशु कहता-है -उन चेलों-से अपने कैसे कठिनाई-से
G2532 G4017 G3588 G2424 G3004 G3588 G3101 G0846 G4459 G1423

οἱ τὰ χρήματα ἔχοντες, εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ Θεοῦ εἰσελεύσονται!
-जो -वो धन रखनेवाले -में -उस राज्य -के परमेश्वर प्रवेश-करेंगे
G3588 G3588 G5536 G2192 G1519 G3588 G0932 G3588 G2316 G1525

> यीशु ने चारों ओर देख कर अपने शिष्यों से कहा, "उन लोगों के लिये, जिनके पास धन है, परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है!"

24	οἱ	δὲ	μαθηταὶ	ἐθαμβοῦντο	ἐπὶ	τοῖς	λόγοις	αὐτοῦ.	ὁ	δὲ	Ἰησοῦς,
	-वे	-और	चेले	चकित-हो-गए	-पर	-उन	वचनों	उस-के	-वह	-और	यीशु
	G3588	G1161	G3101	G2284	G1909	G3588	G3056	G0846	G3588	G1161	G2424

πάλιν	ἀποκριθεὶς,	λέγει	αὐτοῖς,	Τέκνα,	πῶς	δύσκολόν	ἐστιν	εἰς	τὴν
फिर	उत्तर-देकर	कहता-है	उन-से	बच्चो	कैसे	कठिन	है	-में	-उस
G3825	G0611	G3004	G0846	G5043	G4459	G1422	G1510	G1519	G3588

βασιλείαν	τοῦ	Θεοῦ	εἰσελθεῖν,	<τοὺς	πεποιθότας	ἐπὶ	χρήμασιν>!
राज्य	-के	परमेश्वर	प्रवेश-करना	-उन	भरोसा-करनेवालों-के-लिए	-पर	धन
G0932	G3588	G2316	G1525	G3588	G3982	G1909	G5536

> उसके शब्दों पर उसके शिष्य अचरज में पड़ गये। पर यीशु ने उनसे फिर कहा, "मेरे बच्चो, परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है।

25	εὐκοπώτερόν	ἐστιν	κάμηλον	διὰ	τῆς	τρυμαλιᾶς	τῆς	ῥαφίδος	διελθεῖν,
	आसान-है	है	ऊंट-को	-से-होकर	-उस	छेद	-उस	सूई	निकलना
	G2123	G1510	G2574	G1223	G3588	G5168	G3588	G4476	G1330

ἢ	πλούσιον	εἰς	τὴν	βασιλείαν	τοῦ	Θεοῦ	εἰσελθεῖν.
या	धनी-को	-में	-उस	राज्य	-के	परमेश्वर	प्रवेश-करना
G2228	G4145	G1519	G3588	G0932	G3588	G2316	G1525

> परमेश्वर के राज्य में किसी धनी के प्रवेश कर पाने से, किसी ऊँट का सुई के नाके में से निकल जाना आसान है!"

26	οἱ	δὲ	περισσῶς	ἐξεπλήσσοντο,	λέγοντες	πρὸς	ἑαυτούς,	Καὶ	τίς	δύναται
	-वे	-और	बहुत-अधिक	चकित-हो-गए	कहते-हुए	-में	अपने	और	कौन	सकता-है
	G3588	G1161	G4057	G1605	G3004	G4314	G1438	G2532	G5101	G1410

σωθῆναι?
बचाया-जाना
G4982

> उन्हें और अधिक अचरज हुआ। वे आपस में कहने लगे, "फिर किसका उद्धार हो सकता है?"

27	ἐμβλέψας	αὐτοῖς,	ὁ	Ἰησοῦς	λέγει,	Παρὰ	ἀνθρώποις	ἀδύνατον,	ἀλλ’	οὐ
	देखकर	उन-पर	-वह	यीशु	कहता-है	-के-पास	मनुष्यों	असंभव	परन्तु	नहीं
	G1689	G0846	G3588	G2424	G3004	G3844	G0444	G0102	G0235	G3756

παρὰ	θεῷ;	πάντα	γὰρ	δυνατὰ	παρὰ	τῷ	θεῷ.
-के-पास	परमेश्वर	सब	क्योंकि	संभव	-के-पास	-उस	परमेश्वर
G3844	G2316	G3956	G1063	G1415	G3844	G3588	G2316

> यीशु ने उन्हें देखते हुए कहा, "यह मनुष्यों के लिये असम्भव है किन्तु परमेश्वर के लिये नहीं। क्योंकि परमेश्वर के लिये सब कुछ सम्भव है।"

28	Ἤρξατο	λέγειν	ὁ	Πέτρος	αὐτῷ,	Ἰδοὺ,	ἡμεῖς	ἀφήκαμεν	πάντα,	καὶ
	लगा	कहने	-वह	पतरस	उस-से	देखो	हमने	छोड़ा	सब	और
	G0756	G3004	G3588	G4074	G0846	G3708	G1473	G0863	G3956	G2532

ἠκολουθήκαμέν	σοι.
चले-हैं	तेरे
G0190	G4771

> फिर पतरस उससे कहने लगा, "देख, हम सब कुछ त्याग कर तेरे पीछे हो लिये हैं।"

29	ἔφη	ὁ	Ἰησοῦς,	Ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	οὐδείς	ἐστιν	ὃς	ἀφῆκεν	οἰκίαν,	ἢ
	कहा	-वह	यीशु	सच-सच	कहता-हूं	तुम-से	कोई-नहीं	है	जिसने	छोड़ा	घर	या
	G5346	G3588	G2424	G0281	G3004	G4771	G3762	G1510	G3739	G0863	G3614	G2228

ἀδελφοὺς,	ἢ	ἀδελφὰς,	ἢ	μητέρα,	ἢ	πατέρα,	ἢ	τέκνα,	ἢ	ἀγροὺς,
भाइयों-को	या	बहनों-को	या	माता-को	या	पिता-को	या	बच्चों-को	या	खेतों-को
G0080	G2228	G0079	G2228	G3384	G2228	G3962	G2228	G5043	G2228	G0068

ἕνεκεν	ἐμοῦ	καὶ	ἕνεκεν	τοῦ	εὐαγγελίου,
-के-कारण	मेरे	और	-के-कारण	-इस	सुसमाचार
G1752	G1473	G2532	G1752	G3588	G2098

> यीशु ने कहा, “मैं तुमसे सत्य कहता हूँ, कोई भी ऐसा नहीं है जो मेरे लिये और सुसमाचार के लिये घर, भाईयों, बहनों, माँ, बाप, बच्चों, खेत, सब कुछ को छोड़ देगा।

30	ἐὰν	μὴ	λάβῃ	ἑκατονταπλασίονα	νῦν	ἐν	τῷ	καιρῷ	τούτῳ--	οἰκίας,	καὶ
	यदि	न	पाए	सौ-गुना	अब	-में	-उस	समय	इस	घर	और
	G1437	G3361	G2983	G1542	G3568	G1722	G3588	G2540	G3778	G3614	G2532

ἀδελφοὺς,	καὶ	ἀδελφὰς,	καὶ	μητέρας,	καὶ	τέκνα.	καὶ	ἀγροὺς,	μετὰ
भाइयों-को	और	बहनों-को	और	माताओं-को	और	बच्चों-को	और	खेतों-को	-साथ
G0080	G2532	G0079	G2532	G3384	G2532	G5043	G2532	G0068	G3326

διωγμῶν--	καὶ	ἐν	τῷ	αἰῶνι	τῷ	ἐρχομένῳ,	ζωὴν	αἰώνιον.
सतावों	और	-में	-उस	युग	-उस	आनेवाले	जीवन	अनंत
G1375	G2532	G1722	G3588	G0165	G3588	G2064	G2222	G0166

> और जो इस युग में घरों, भाईयों, बहनों, माताओं, बच्चों और खेतों को सौ गुना अधिक करके नहीं पायेगा-किन्तु यातना के साथ और आने वाले युग में अनन्त जीवन।

31	πολλοὶ	δὲ	ἔσονται	πρῶτοι,	ἔσχατοι;	καὶ	οἱ	ἔσχατοι,	πρῶτοι.
	बहुत	-परन्तु	होंगे	पहले	अंतिम	और	-जो	अंतिम	पहले
	G4183	G1161	G1510	G4413	G2078	G2532	G3588	G2078	G4413

> और बहुत से वे जो आज सबसे अन्तिम हैं, सबसे पहले हो जायेंगे, और बहुत से वे जो आज सबसे पहले हैं, सबसे अन्तिम हो जायेंगे।”

32	Ἦσαν	δὲ	ἐν	τῇ	ὁδῷ,	ἀναβαίνοντες	εἰς	Ἱεροσόλυμα,	καὶ	ἦν
	थे	-और	-में	-उस	मार्ग	चढ़ते-हुए	-को	यरूशलेम	और	था
	G1510	G1161	G1722	G3588	G3598	G0305	G1519	G2414	G2532	G1510

προάγων	αὐτοὺς	ὁ	Ἰησοῦς,	καὶ	ἐθαμβοῦντο,	οἱ	δὲ	ἀκολουθοῦντες
आगे-चलता-हुआ	उन-से	-वह	यीशु	और	चकित-थे	-जो	-और	चलनेवाले
G4254	G0846	G3588	G2424	G2532	G2284	G3588	G1161	G0190

ἐφοβοῦντο.	καὶ	παραλαβὼν	πάλιν	τοὺς	δώδεκα,	ἤρξατο	αὐτοῖς	λέγειν	τὰ
डरते-थे	और	लेकर	फिर	-उन	बारह-को	लगा	उन-को	कहने	-वो
G5399	G2532	G3880	G3825	G3588	G1427	G0756	G0846	G3004	G3588

μέλλοντα	αὐτῷ	συμβαίνειν:
होनेवाली	उस-को	घटनें
G3195	G0846	G4819

> फिर यरूशलेम जाते हुए जब वे मार्ग में थे तो यीशु उनसे आगे चल रहा था। वे डरे हुए थे और जो उनके पीछे चल रहे थे, वे भी डरे हुए थे। फिर यीशु बारहों शिष्यों को अलग ले गया और उन्हें बताने लगा कि उसके साथ क्या होने वाला है।

33

ὅτι	Ἰδοὺ,	ἀναβαίνομεν	εἰς	Ἱεροσόλυμα,	καὶ	ὁ	Υἱὸς	τοῦ	ἀνθρώπου
कि	देखो	चढ़ते-हैं	-को	यरूशलेम	और	-वह	पुत्र	-का	मनुष्य
G3754	G3708	G0305	G1519	G2414	G2532	G3588	G5207	G3588	G0444

παραδοθήσεται	τοῖς	ἀρχιερεῦσιν	καὶ	τοῖς	γραμματεῦσιν,	καὶ	κατακρινοῦσιν
सौंपा-जाएगा	-उन	महायाजकों-को	और	-उन	शास्त्रियों-को	और	दोषी-ठहराएंगे
G3860	G3588	G0749	G2532	G3588	G1122	G2532	G2632

αὐτὸν	θανάτῳ,	καὶ	παραδώσουσιν	αὐτὸν	τοῖς	ἔθνεσιν.
उस-को	मृत्यु-का	और	सौंपेंगे	उस-को	-उन	अन्यजातियों-को
G0846	G2288	G2532	G3860	G0846	G3588	G1484

> “सुनो, हम यरूशलेम जा रहे हैं। मनुष्य के पुत्र को धोखे से पकड़वा कर प्रमुख याजकों और धर्मशास्त्रियों को सौंप दिया जायेगा। और वे उसे मृत्यु दण्ड दे कर ग़ैर यहूदियों को सौंप देंगे।

34

καὶ	ἐμπαίξουσιν	αὐτῷ,	καὶ	ἐμπτύσουσιν	αὐτῷ,	καὶ	μαστιγώσουσιν	αὐτόν,
और	उपहास-करेंगे	उस-पर	और	थूकेंगे	उस-पर	और	कोड़े-मारेंगे	उस-को
G2532	G1702	G0846	G2532	G1716	G0846	G2532	G3146	G0846

καὶ	ἀποκτενοῦσιν,	καὶ	μετὰ	τρεῖς	ἡμέρας	ἀναστήσεται.
और	मारेंगे	और	-के-बाद	तीन	दिन	जी-उठेगा
G2532	G0615	G2532	G3326	G5140	G2250	G0450

> जो उसकी हँसी उड़ाएँगे और उस पर थूकेंगे। वे उसे कोड़े लगायेंगे और फिर मार डालेंगे। और फिर तीसरे दिन वह जी उठेगा।”

35

Καὶ	προσπορεύονται	αὐτῷ	Ἰάκωβος	καὶ	Ἰωάννης,	οἱ	(δύο)	υἱοὶ
और	आते-हैं	उस-के-पास	याकूब	और	योहन	-वे	दो	पुत्र
G2532	G4365	G0846	G2385	G2532	G2491	G3588	G1417	G5207

Ζεβεδαίου,	λέγοντες	αὐτῷ,	Διδάσκαλε,	θέλομεν	ἵνα	ὃ	ἐὰν	αἰτήσωμέν	σε,
ज़बदी-के	कहते-हुए	उस-से	गुरु	चाहते-हैं	कि	जो	यदि	मांगें	तुझ-से
G2199	G3004	G0846	G1320	G2309	G2443	G3739	G1437	G0154	G4771

ποιήσῃς	ἡμῖν.
करे	हमारे-लिए
G4160	G1473

> फिर जब्दी के पुत्र याकूब और यूहन्ना यीशु के पास आये और उससे बोले, “गुरु, हम चाहते हैं कि हम जो कुछ तुझ से माँगे, तू हमारे लिये वह कर।”

36

ὁ	δὲ	εἶπεν	αὐτοῖς,	Τί	θέλετε	με	ποιήσω	ὑμῖν?
-वह	-और	कहा	उन-से	क्या	चाहते-हो	मुझ-से	करूं	तुम्हारे-लिए
G3588	G1161	G3004	G0846	G5101	G2309	G1473	G4160	G4771

> यीशु ने उनसे कहा, “तुम मुझ से अपने लिये क्या करवाना चाहते हो?”

37

οἱ	δὲ	εἶπαν	αὐτῷ,	Δὸς	ἡμῖν,	ἵνα	εἷς	σου	ἐκ	δεξιῶν,	καὶ	εἷς
-उन्होंने	-और	कहा	उस-से	दे	हमें	कि	एक	तेरे	-से	दाएं	और	एक
G3588	G1161	G3004	G0846	G1325	G1473	G2443	G1520	G4771	G1537	G1188	G2532	G1520

ἐξ	ἀριστερῶν,	καθίσωμεν	ἐν	τῇ	δόξῃ	σου.
-से	बाएं	बैठें	-में	-उस	महिमा	तेरी
G1537	G0710	G2523	G1722	G3588	G1391	G4771

> फिर उन्होंने उससे कहा, “हमें अधिकार दे कि तेरी महिमा में हम तेरे साथ बैठें, हममें से एक तेरे दायें और दूसरा बायें।”

38

ὁ	δὲ	Ἰησοῦς	εἶπεν	αὐτοῖς,	Οὐκ	οἴδατε	τί	αἰτεῖσθε.	δύνασθε	πιεῖν
-वह	-और	यीशु	कहा	उन-से	नहीं	जानते	क्या	मांगते-हो	सकते-हो	पीना
G3588	G1161	G2424	G3004	G0846	G3756	G1492	G5101	G0154	G1410	G4095

τὸ	ποτήριον	ὃ	ἐγὼ	πίνω,	ἢ	τὸ	βάπτισμα	ὃ	ἐγὼ	βαπτίζομαι
-वह	प्याला	जो	मैं	पीता-हूं	या	-वह	बपतिस्मा	जो	मैं	बपतिस्मा-लेता-हूं
G3588	G4221	G3739	G1473	G4095	G2228	G3588	G0908	G3739	G1473	G0907

βαπτισθῆναι?
बपतिस्मा-लेना
G0907

> यीशु ने उनसे कहा, “तुम नहीं जानते तुम क्या माँग रहे हो। जो कटोरा मैं पीने को हूँ, क्या तुम उसे पी सकते हो? या जो बपतिस्मा मैं लेने को हूँ, तुम उसे ले सकते हो?”

39

οἱ	δὲ	εἶπαν	αὐτῷ,	Δυνάμεθα.	ὁ	δὲ	Ἰησοῦς	εἶπεν	αὐτοῖς,	Τὸ
-उन्होंने	-और	कहा	उस-से	सकते-हैं	-वह	-और	यीशु	कहा	उन-से	-वह
G3588	G1161	G3004	G0846	G1410	G3588	G1161	G2424	G3004	G0846	G3588

ποτήριον	ὃ	ἐγὼ	πίνω,	πίεσθε;	καὶ	τὸ	βάπτισμα	ὃ	ἐγὼ	βαπτίζομαι,
प्याला	जो	मैं	पीता-हूं	पियोगे	और	-वह	बपतिस्मा	जो	मैं	बपतिस्मा-लेता-हूं
G4221	G3739	G1473	G4095	G4095	G2532	G3588	G0908	G3739	G1473	G0907

βαπτισθήσεσθε;
बपतिस्मा-लोगे
G0907

> उन्होंने उससे कहा, “हम वैसा कर सकते हैं!” फिर यीशु ने उनसे कहा, “तुम वह प्याला पिओगे, जो मैं पीता हूँ? तुम यह बपतिस्मा लोगे, जो बपतिस्मा मैं लेने को हूँ?

40

τὸ	δὲ	καθίσαι	ἐκ	δεξιῶν	μου,	ἢ	ἐξ	εὐωνύμων,	οὐκ	ἔστιν	ἐμὸν
-वह	-परन्तु	बैठना	-से	दाएं	मेरे	या	-से	बाएं	नहीं	है	मेरा
G3588	G1161	G2523	G1537	G1188	G1473	G2228	G1537	G2176	G3756	G1510	G1699

δοῦναι,	ἀλλ’	οἷς	ἡτοίμασται.
देना	परन्तु	जिन-के-लिए	तैयार-है
G1325	G0235	G3739	G2090

> किन्तु मेरे दायें और बायें बैठने का स्थान देना मेरा अधिकार नहीं है। ये स्थान उन्हीं पुरुषों के लिए हैं जिनके लिये ये तैयार किया गया हैं।”

41

Καὶ	ἀκούσαντες,	οἱ	δέκα	ἤρξαντο	ἀγανακτεῖν	περὶ	Ἰακώβου	καὶ
और	सुनकर	-वे	दस	लगे	रोष-करने	-के-विषय-में	याकूब	और
G2532	G0191	G3588	G1176	G0756	G0023	G4012	G2385	G2532

Ἰωάννου.
योहन
G2491

> जब बाकी के दस शिष्यों ने यह सुना तो वे याकूब और यूहन्ना पर क्रोधित हुए।

42

καὶ	προσκαλεσάμενος	αὐτοὺς	ὁ	Ἰησοῦς	λέγει	αὐτοῖς,	Οἴδατε	ὅτι	οἱ
और	बुलाकर	उन-को	-वह	यीशु	कहता-है	उन-से	जानते-हो	कि	-जो
G2532	G4341	G0846	G3588	G2424	G3004	G0846	G1492	G3754	G3588

δοκοῦντες	ἄρχειν	τῶν	ἐθνῶν	κατακυριεύουσιν	αὐτῶν;	καὶ	οἱ	μεγάλοι
समझनेवाले	शासन-करना	-उन	अन्यजातियों-पर	प्रभुत्व-करते-हैं	उन-पर	और	-जो	बड़े
G1380	G0757	G3588	G1484	G2634	G0846	G2532	G3588	G3173

αὐτῶν	κατεξουσιάζουσιν	αὐτῶν.
उन-के	अधिकार-जताते-हैं	उन-पर
G0846	G2715	G0846

> फिर यीशु ने उन्हें अपने पास बुलाया और उनसे कहा, “तुम जानते हो कि जो ग़ैर यहूदियों के शासक माने जाते हैं, उनका और उनके महत्वपूर्ण नेताओं का उन पर प्रभुत्व है।

43

οὐχ	οὕτως	δέ	ἐστιν	ἐν	ὑμῖν;	ἀλλ’	ὃς	ἂν	θέλῃ	μέγας	γενέσθαι
नहीं	ऐसे	–परन्तु	है	–में	तुम	परन्तु	जो	कभी	चाहे	बड़ा	होना
G3756	G3779	G1161	G1510	G1722	G4771	G0235	G3739	G0302	G2309	G3173	G1096

ἐν	ὑμῖν,	ἔσται	ὑμῶν	διάκονος;
–में	तुम	होगा	तुम्हारा	सेवक
G1722	G4771	G1510	G4771	G1249

> पर तुम्हारे साथ ऐसा नहीं है। तुममें से जो कोई बड़ा बनना चाहता है, वह तुम सब का दास बने।

44

καὶ	ὃς	ἂν	θέλῃ	ἐν	ὑμῖν	εἶναι	πρῶτος,	ἔσται	πάντων	δοῦλος.
और	जो	कभी	चाहे	–में	तुम	होना	पहला	होगा	सबों–का	दास
G2532	G3739	G0302	G2309	G1722	G4771	G1510	G4413	G1510	G3956	G1401

> और जो तुम में प्रधान बनना चाहता है, वह सब का सेवक बने

45

καὶ	γὰρ	ὁ	Υἱὸς	τοῦ	ἀνθρώπου	οὐκ	ἦλθεν	διακονηθῆναι,	ἀλλὰ
और	क्योंकि	–वह	पुत्र	–का	मनुष्य	नहीं	आया	सेवा–लिया–जाने	परन्तु
G2532	G1063	G3588	G5207	G3588	G0444	G3756	G2064	G1247	G0235

διακονῆσαι,	καὶ	δοῦναι	τὴν	ψυχὴν	αὐτοῦ	λύτρον	ἀντὶ	πολλῶν.
सेवा–करने	और	देने	–अपना	प्राण	अपना	छुड़ौती	–के–बदले–में	बहुतों
G1247	G2532	G1325	G3588	G5590	G0846	G3083	G0473	G4183

> क्योंकि मनुष्य का पुत्र तक सेवा कराने नहीं आया है, बल्कि सेवा करने आया है। और बहुतों के छुटकारे के लिये अपना जीवन देने आया है।”

46

Καὶ	ἔρχονται	εἰς	Ἰεριχώ;	Καὶ	ἐκπορευομένου	αὐτοῦ	ἀπὸ	Ἰεριχὼ,	καὶ
और	आते–हैं	–में	यरीहो	और	निकलते–हुए	उस–के	–से	यरीहो	और
G2532	G2064	G1519	G2410	G2532	G1607	G0846	G0575	G2410	G2532

τῶν	μαθητῶν	αὐτοῦ,	καὶ	ὄχλου	ἱκανοῦ,	ὁ	υἱὸς	Τιμαίου,	Βαρτιμαῖος,
–उन	चेलों–के	उस–के	और	भीड़–की	बड़ी	–वह	पुत्र	तिमाई–का	बरतिमाई
G3588	G3101	G0846	G2532	G3793	G2425	G3588	G5207	G5090	G0924

τυφλὸς	προσαίτης,	ἐκάθητο	παρὰ	τὴν	ὁδόν.
अंधा	भीख–मांगनेवाला	बैठा–था	–के–किनारे	–उस	मार्ग
G5185	G4319	G2521	G3844	G3588	G3598

> फिर वे यरीहो आये और जब यीशु अपने शिष्यों और एक बड़ी भीड़ के साथ यरीहो को छोड़ कर जा रहा था, तो बरतिमाई (अर्थ “तिमाई का पुत्र”) नाम का एक अंधा भिखारी सड़क के किनारे बैठा था।

47

καὶ	ἀκούσας	ὅτι	Ἰησοῦς	ὁ	Ναζαρηνός	ἐστιν,	ἤρξατο	κράζειν	καὶ	λέγειν,
और	सुनकर	कि	यीशु	–वह	नाजरी	है	लगा	चिल्लाने	और	कहने
G2532	G0191	G3754	G2424	G3588	G3479	G1510	G0756	G2896	G2532	G3004

Υἱὲ	Δαυὶδ,	Ἰησοῦ,	ἐλέησόν	με.
पुत्र	दाऊद–के	यीशु	दया–कर	मुझ–पर
G5207	G1138	G2424	G1653	G1473

> जब उसने सुना कि वह नासरी यीशु है, तो उसने ऊँचे स्वर में पुकार पुकार कर कहना शुरु किया, “दाऊद के पुत्र यीशु, मुझ पर दया कर।”

48

καὶ	ἐπετίμων	αὐτῷ	πολλοὶ	ἵνα	σιωπήσῃ;	ὁ	δὲ	πολλῷ	μᾶλλον	ἔκραζεν,
और	डांटते–थे	उस–को	बहुतों–ने	कि	चुप–रहे	–वह	–परन्तु	अधिक	और	चिल्लाता–था
G2532	G2008	G0846	G4183	G2443	G4623	G3588	G1161	G4183	G3123	G2896

Υἱὲ	Δαυίδ,	ἐλέησόν	με.
पुत्र	दाऊद–के	दया–कर	मुझ–पर
G5207	G1138	G1653	G1473

> बहुत से लोगों ने डाँट कर उसे चुप रहने को कहा। पर वह और भी ऊँचे स्वर में पुकारने लगा, “दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया कर!”

49 καὶ στὰς, ὁ Ἰησοῦς εἶπεν Φωνήσατε αὐτόν. καὶ φωνοῦσιν τὸν τυφλὸν,
और ठहरकर -वह यीशु कहा बुलाओ उस-को और बुलाते-हैं -उस अंधे-को
G2532 G2476 G3588 G2424 G3004 G5455 G0846 G2532 G5455 G3588 G5185

λέγοντες αὐτῷ, Θάρσει; ἔγειρε, φωνεῖ σε.
कहते-हुए उस-से हिम्मत-रख उठ बुलाता-है तुझे
G3004 G0846 G2293 G1453 G5455 G4771

> तब यीशु रुका और बोला, “उसे मेरे पास लाओ।” सो उन्होंने उस अंधे व्यक्ति को बुलाया और उससे कहा, “हिम्मत रख! खड़ा हो! वह तुझे बुला रहा है।”

50 ὁ δὲ ἀποβαλὼν τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ, ἀναπηδήσας, ἦλθεν πρὸς τὸν
-वह -और फेंककर -अपना कपड़ा अपना कूदकर आया -के-पास -उस
G3588 G1161 G0577 G3588 G2440 G0846 G1530 G2064 G4314 G3588

Ἰησοῦν.
यीशु
G2424

> वह अपना कोट फेंक कर उछल पड़ा और यीशु के पास आया।

51 καὶ ἀποκριθεὶς αὐτῷ, ὁ Ἰησοῦς εἶπεν, Τί σοι θέλεις ποιήσω? ὁ
और उत्तर-देकर उस-से -वह यीशु कहा क्या तुझ-के-लिए चाहता-है करूं -वह
G2532 G0611 G0846 G3588 G2424 G3004 G5101 G4771 G2309 G4160 G3588

δὲ τυφλὸς εἶπεν αὐτῷ, Ραββουνι, ἵνα ἀναβλέψω.
-और अंधा कहा उस-से रब्बूनी कि ऊपर-देखूं
G1161 G5185 G3004 G0846 G4462 G2443 G0308

> फिर यीशु ने उससे कहा, “तू मुझ से अपने लिए क्या करवाना चाहता है?” अंधे ने उससे कहा, “हे रब्बी, मैं फिर से देखना चाहता हूँ।”

52 καὶ ὁ Ἰησοῦς εἶπεν αὐτῷ, Ὕπαγε, ἡ πίστις σου σέσωκέν σε. καὶ
और -वह यीशु कहा उस-से जा -वह विश्वास तेरे बचाया-है तुझे और
G2532 G3588 G2424 G3004 G0846 G5217 G3588 G4102 G4771 G4982 G4771 G2532

εὐθὺς ἀνέβλεψεν, καὶ ἠκολούθει αὐτῷ ἐν τῇ ὁδῷ.
तुरन्त ऊपर-देखा और चलता-था उस-के-साथ -में -उस मार्ग
G2112 G0308 G2532 G0190 G0846 G1722 G3588 G3598

> तब यीशु बोला, “जा, तेरे विश्वास से तेरा उद्धार हुआ।” फिर वह तुरंत देखने लगा और मार्ग में यीशु के पीछे हो लिया।